B.A. Final (CBCS pattern) Semester-VI

BA36B-4 - Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 4 | **GUG/S/25/13438**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना : 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

एवम्पि खो आयस्मा आनन्दो भगवता ओलारिके निमित्ते करियमाने, ओलारिके ओभासे करियमाने नासक्खि पटिविज्झितुं। नं भगवन्तं याचि तिट्ठतु भन्ते भगवा, कप्पं, तिट्ठतु सुगतो कप्पं बहुजन हिताय बहुजन सुखाय लोकानुकम्पाय अत्ताय हिताय सुखाय देवमनुस्सन्ति। यथा तं मारेन पटियुट्ठाठितचित्तो। अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि-गच्छं त्वं आनन्दं। यस्स दानि काल मञ्ञसी' ति। एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पटिस्सुत्वा उट्ठायासना भगवन्तं अभिवादेत्वा पदक्खिणं कत्वा अविदूरे अञ्ञतरस्मिं रक्खमूले निसीदि।

किंवा / अथवा

एकमिदाहं आनन्द। समयं राजगहे विहरामि गिज्झकूटे पब्बने। पत्रापि खो ताहं आनन्द। आमन्तेसि- रमणीयं आनन्द। राजगहं, रमणीयो आनन्द। गिज्झकुटो पब्बती, पस्स कस्सचि आनंद चत्तारो इध्दिपादा भाविता बहुलिकता यानीकता वत्थुकता अनुट्ठिता परिचिता सुसमारध्दा सो आङ्कखुमानो कप्पं वा तिट्ठेय्य, कप्पावसेसं वा। तथागतस्स खो आनन्द। चत्तारो इध्दिपादा भाविता बहुलिकता यानीकता वत्थुकता अनुटठिता परिचितं सुसमारध्दा, सो आङ्कख्मानो आनन्द। तथागतो कप्पं वा तिट्ठेय्य कप्पावसेसं वा ति। एवम्पि खो त्वं आनन्द। तथागतेनं ओलारिके निमित्ते करियमाने ओलारिको ओभासे करियमाने नासक्खि पटिविज्झितुंन तथागत याचि।

ब) भूमिचालस्स अट्ठ हेतु सांगा. **6**

भूमिचालस्स अट्ठ हेतु बताईए।

किंवा / अथवा

'आनन्दस्स याचना' स्पष्ट करा.

'आनन्दस्स याचना' स्पष्ट किजिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

तत्र खुदं भगवा भोगनगरे विहरति आनन्दे चेतियो। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि-चत्तारो मे भिक्खवे। महापदेसे देसेस्सामि, ते सुणाध, साधुकं मनसिं करोध, भासिस्सामि-ति। 'एवं भन्ते' ति खो ते भिक्खू भगवतो पच्चस्सोरतुं भगवा एतदवोच-इध भिक्खवे। भिक्खु एवं वदेय्य, सम्मुखा मे तं आवुसो। भगवतो सुत्तं सम्मुखा पटिग्गहीतं- मयं धम्मो, विनयो इदं सत्थुसासनंन्ति तस्स भिक्खवे। भिक्खुनो भासितं नेव अभिनन्दितब्बं, नप्पटिक्को सितब्बं। अनभिनन्दित्वा अप्पटिक्कोसित्वा तानिपदव्यज्जनानि साधुकं उग्गहेत्वा सुत्ते ओसारेतब्बानि विनये सन्दस्सेतब्बानि। तानिचे सुत्ते ओसारियमानानि विनये सन्दास्सियमानानि न चेवं सुत्ते ओसरन्ति न च विनये सन्दिस्सन्ति निट्ठमेत्थ गन्तब्बं-अध्दा इदं न चेव तस्स भगवतो वचनं इमस्स च भिक्खुनो दुग्गहितन्ति।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा भोगनगरे यथाभिटन्तं विहरित्वा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि' आया-आनन्द। येन पावा, तेनुपसङ्कमिस्सामा' ति। एवं भन्ते ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पञ्चस्सोसि अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन पावा तदवसरि। तत्र सुदं भगवा पावायं विहरति चुन्दस्स कम्मारं पुत्तस्स अम्बवने। अस्सोसि खो चुन्दो कम्मारं पुत्तो-भगवा किर पावं अनुप्पतो पावाय विहरति मय्हं अम्बवने ति। अथ खो चुन्दो कम्मारपुत्तो येन भगवा, तेनुपसङ्कमि: उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि।

ब) 'चुन्दलोहारा चे भोजन' सविस्तर सांगा. **6**
'चुन्दलोहार के भोजन' विस्तार से बताईए।

किंवा / अथवा

वेसालिया पच्छिमदस्सन वर्णन करा.
वेसालिया पच्छिमदस्सन वर्णन कीजिए।

3. अ) ससंदर्भ अनुवाद किजिए। **10**
ससंदर्भ भाषांतर करा.

1) क्रोध जहे विप्पजहेय्य मानं, संयोजन सब्बमतिक्कमेय्य।

तं नाम-रुपस्मिं असज्जमानं अकिञ्चनं नानुपतन्ति दुक्खा॥

2) यो वे उप्पतितं क्रोध रथ भन्त व धारये।

तम हं सारधिं ब्रूमि रस्मिग्गाहो इतरो जनो॥

3) अक्कोधेन जिने क्रोधं असाधु साधुना जिने।

जिने कदरियं दनिनं सच्चेनालीक वादिने॥

4) सच्चं भने कुज्झेय्य, दज्जाप्पास्मिम्पियाचितो।

एतेहि तीहि ठनिहि गच्छे देवानं सन्तिके॥

किंवा / अथवा

वृतं हेतं भगवता, वृत्तमरस्तो ति मे सुत्तं 'एकधम्म भिक्खवे, पजहय, अहं वो पाटिभोगो अनागामिताय कतमं एकधम्म? मोहं, भिक्खवे, एकधम्मं पजहथ, अहं वो पाटिभोगो अनागामिताथा' ति। एकमत्थ भगवा अवोच। तत्थेव इति वुच्चति। 'येन मोहेन मुळहासे, सत्ता गच्छन्ति दुग्गति। तं मोहं सम्मदञ्ञाय पजहन्ति विपस्सिनो पहाय न पुनायन्ति, इमं लोकं कुदाचनं' ति।

ब) इतिवृत्तक ग्रंथाचे महत्व लिहा. **6**
इतिवृत्तक ग्रंथ का महत्व लिखिए।

किंवा / अथवा

बुध्द कोणाला म्हणावे' हे बुध्दवग्गाच्या आधारे तुमच्या शब्दात लिहा.
बुध्द किसको कहना चाहिए यह बुध्दवग्ग के आधार पर तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

4. अ) कृदन्त शब्द तयार करा **कोणतेही चार**. **4**
कृदन्त शब्द तयार कीजिए **कोई भी चार**।
दिस, गम, कर, हस, वद, पस्स

ब) समास ओळखा **कोणतेही चार** **4**
समास पहचानिए **कोई भी चार**।
बहुधनो, सोपि, गामगतो, कण्हसप्पो, उपकुम्भ, चन्दिमसुरिय

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद किजिए।
1) बुध्दो भिक्खूस्स उपदेसेति।
2) अहं माता सध्दिं आपणं गच्छामि।
3) रुक्खस्स साया सकुणा वसन्ति।
4) धनिकस्स कुच्छिस्मिं व्याधि होति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद किजिए।
1) ती सुजाता आहे.
वह सुजाता है।
2) ती धम्माला स्मरण करणार
वह धम्म को स्मरण करता है।
3) आपण घरी जाणार
हम घर जायेंगे।
4) किती मुले पालिचा अभ्यास करतात.
कितने बच्चे पालि का अध्ययन करते है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन**. **6**
टिप्पणीयाँ लिखिए **कोई भी दो**।

1) धम्मपद 2) निब्बाण
3) दीघनिकाय 4) महापटिनिब्बाणसुत्त

ब) पर्यायी उत्तरं लिहा. **10**
पर्यायी उत्तर लिखिए।

1) दीघनिकाय कुठे येते.
दीघनिकाय कहाँ आता है।
अ) खुद्दकनिकाय ब) सुत्तपिटक
क) सुत्तनिपात ड) सुत्तविभंग

2) महापरिनिब्बाणसुत्तं कुठे येते.
महापरिनिब्बाणसुत्तं कहाँ आता है।
अ) मज्झियनिकाय ब) खुद्दकनिकाय
क) दीघनिकाय ड) सयुत्तनिकाय

3) बुध्दांच्या अंतिम जीवनाचे चित्रण या सुत्तात आहे.
बुध्द के अंतिम जीवन का चित्रण इस सुत्त में है।
अ) महापरिनिब्बाण सुत्त ब) बुध्दपरित
क) खुद्दकनिकाय ड) बुध्दवग्ग

4) तथागतांचे महापरिनिब्बाण ठिकाण कोणते
तथागत के महापरिनिब्बाण का स्थान कौनसा।
अ) कुसीनारा ब) पावा
क) राजगृह ड) लुम्बीनी

5) पालित समास किती आहेत.
पालि मे समास कितने है।
अ) 06 ब) 05
क) 08 ड) 07

6) खीर ला पालित काय म्हणतात.
खीर को पालि मे क्या कहते है।
अ) दूध ब) मिठ्ठान
क) पायस ड) क्षीर

7) धम्मपदात एकूण गाथा किती आहेत.
धम्मपद में कूल गाथाएँ कितनी है।
अ) 423 ब) 524
क) 457 ड) 420

8) खुद्दकनिकायात हा ग्रंथ येतो.
खुद्दकनिकाय में यह ग्रंथ आता है।
अ) महावग्ग ब) इतिवृत्तक
क) परिवार ड) विभंग

9) महापरिनिब्बाणसुत्तात भूकंपाचे किती लक्षणे सांगितली.
महापरिनिब्बाणसुत्त में भूकंप के कितने लक्षण बतलाये है।
अ) 07 ब) 09
क) 06 ड) 08

10) पावात तथागतांनी कुणाकडे भोजन घेतले.
पावा में तथागतने किसके यहाँ भोजन किया।
अ) चुन्दलोहार ब) पुक्कुस
क) अनाथपिण्डिक ड) सुदत्त

****